Hindi Murli Quiz 22-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) बाबा ने आज धारणा के लिए कुछ पॉइंट्स दिये हैं । उन सबका चयन करें ---

A. किसी से भी रफठफ बातचीत नही करनी है ।
B. अमृतबेला कभी मिस नहीं करना है ।
C. ज्ञान का सिमरण कर अतीन्द्रिय सुख मे रहना है ।
D. भगवान का वारिस बनने के लिए पहले उन्हें अपना वारिस बनाना है ।
E. कोई गुस्से से बात करे तो उससे किनारा कर लेना है ।
F. समझदार बन अपना सब बाप हवाले कर ममत्व मिटा देना है ।

Q.2) कोई गुस्सा करता है तो समझो इनमे क्रोध का ----- है । वह जैसे भूतनाथ- भूतनाथिनी बन जाते है, ऐसे ------वालों से कभी बात नही करनी चाहिए । एक ने क्रोध में आकर बात की फिर दूसरे में भी ------- आ गया तो ------ आपस मे लड़ पड़ेंगे । ----- की प्रवेशता नहीं हो जाए इसलिए मनुष्य किनारा करते हैं । -------- के सामने खड़ा भी नही होना चाहिए, नही तो प्रवेशता हो जायेगी । हमारे मे क्रोध न आ जाए, नही तो सौ गुणा पाप पड़ जायेगा ।
[निम्नलिखित में से एक सबसे सटीक उत्तर से ही सभी रिक्त स्थान भरें]

A. विकार
B. प्रभाव
C. भूत
D. अंश

Q.3) वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं ---

	Choice		Match
A	वारिस बनने के लिए भगवान को अपना वारिस बनाना पड़े,	1	कृष्ण छोटे हैं इसलिए सतोप्रधान कहेंगे ।
B	लक्ष्मी-नारायण की कोई भी निंदा नहीं करते, भल कृष्ण की आत्मा वही है,	2	परन्तु न जानने के कारण कृष्ण की निंदा कर दी है ।
C	लक्ष्मी-नारायण का मन्दिर भी बड़ा खुशी से बनाते है,	3	भगवान को कोई वारिस बनाये तो मिलकियत देनी पड़े ।
D	यह लक्ष्मी-नारायण की युवा अवस्था है तो उनको सतो कहते है,	4	देवताये हैं दिन में तो काम की चेष्ठा होती नही ।
E	इस समय है ही रात । काम की चेष्ठा भी रात को ही होती है,	5	वास्तव मे बनाना चाहिए राधे-कृष्ण का, क्योकि वह सतोप्रधान है ।

Q.4) "बेहद की दृष्टि, वृत्ति ही ----------का आधार है इसलिए हद में नही आओ ।"
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. सुख -शान्ति
B. यूनिटी
C. पवित्रता
D. उन्नति

Q.5) वाक्यों को अर्थों के अनुसार जोडें -

	Choice		Match
A	हर ब्राह्मण बच्चे को विशेष दो बातों पर ध्यान देना है,	1	पढ़ाई पर और दैवी गुणों पर ।
B	कई बच्चों में क्रोध का अंश भी नही है,	2	क्रोधी बच्चों से भी तुम्हे बात नहीं करनी है ।
C	बच्चो को ख्याल करना चाहिए कि-	3	कोई तो क्रोध में आकर बहुत लड़ते हैं ।
D	कभी गुस्से मे आकर बातचीत नही करनी चाहिए,	4	हमको दैवीगुण धारण करके देवता बनना है ।
E	तुम बच्चो को दिव्य दृष्टि मिलती है,	5	जिससे सब साक्षात्कार करते हो ।

Q.6) **मीठे बच्चे - तुम्हारी नज़र ---------पर नहीं जानी चाहिए, अपने को आत्मा समझो, ---------को मत देखो' ।**
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. पदार्थों
B. पुरानी दुनिया
C. बीती बातों
D. शरीरों

Q.7) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice		Match
A	मनुष्य, आत्मा को यथार्थ रीति नही जानते,	1	वैसे परमात्मा को भी यथार्थ रीति नहीं जान सकते ।
B	तुम बच्चे अपने को आत्मा नहीं समझते हो,	2	तो बाप को याद करें और अपने मे दैवीगुण धारण करें ।
C	अगर बच्चों को बाप की पूरी पहचान हो,	3	इसलिए तुम्हारी नजर इस शरीर पर चली जाती है ।
D	तुम संगमयुगी ब्राह्मण अलग हो,	4	परमात्मा का अपना शरीर ही नहीं इसलिए उनकी आत्मा का ही नाम शिव है ।
E	सब आत्माओ का अपना शरीर है और शरीर का नाम पड़ता है,	5	वो अलग हैं - वह होते है द्वापर-कलियुग मे ।

Q.8) **आज के वरदान के अनुसार परमात्म प्रत्यक्षता न होने के विभिन्न कारण स्पष्ट करें ---**

A. विश्व सेवा के क्षेत्र मे अपने सिद्धान्तो को सिद्ध करने मे भय,
B. अपने ही तमोगुणी सस्कारो पर विजयी बनने में भय,
C. अपने सस्कार मिलाने में भय,
D. किसी भी प्रकार की अस्वच्छता अर्थात् सच्चाई सफाई की कमी,
E. उपरोक्त कारणों से रमता योगी वा सहज राजयोगी बनने में कठिनाई ।

Q.9) **हमको देवता बनना है । दैवी गुण धारण करने हैं । यह 5 विकार हैं भूत । नम्बरवन है काम का भूत, सेकण्ड नम्बर है क्रोध का भूत । कोई रफठफ बोलता है तो बाप कहते हैं यह क्रोधी है । यह भूत निकल जाना चाहिए । क्रोध एक-दो को दु :ख देता है । मोह में बहुतों को दु :ख नहीं होगा, जिसको मोह है उनको ही दु :ख होगा । इसलिए बाप समझाते है इन भूतों को भगाओ ।**

A. True
B. False

Q.10) **सब आत्मायें शरीर छोड़कर वापिस जानी हैं । पाण्डव और कौरव दोनो को शरीर छोड़ना है । तुम यह ज्ञान के संस्कार ले जाते हो फिर उस अनुसार प्रालब्ध मिलती है । वह भी ड़ामा मे नूंध है फिर ज्ञान का पार्ट खत्म हो जाता है । तुमको 84 जन्मो के बाद फिर ज्ञान मिला है । फिर यह ज्ञान प्राय: लोप हो जाता है । तुम प्रालब्ध भोगते हो ।**

A. True
B. False